कौशल के साथ जीत का जज्बा भी जरूरी

धूमधाम से मना आइआइएम रांची का नौवां स्थापना दिवस, राज्यपाल ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को किया प्रेरित

जागरण संवाददाता, रांची : राज्यपाल सह कुलाधिपति द्रौपदी मुर्मू ने छात्रों से कहा कि जीवन में कामयाबी के लिए सही कौशल के साथ जीत का जज्बा भी जरूरी है। तेजी से बदलती दुनिया में उचित वैल्यू व एट्टीट्यूड ही विकास की ओर ले जाएंगे। उन्होंने कहा जितने भी नए आइआइएम हैं, उनमें आइआइएम रांची सबसे अधिक इनोवेशन करता है। वह शुक्रवार को डॉ.रामदयाल मुंडा कला भवन, खेलगांव में आइआइएम रांची के नौवें फाउंडेशन डे पर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। समारोह में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ.असित महापात्रा ने किया।

देखें कि निचले तबके के उत्थान के लिए क्या किया : राज्यपाल ने कहा कि आपकी सफलता केवल इस बात पर निर्भर नहीं करती है कि आपने कितना धन जमा किया, बल्कि इस पर भी निर्भर करती है कि समाज के निचले तबके के उत्थान में आपका क्या योगदान रहा। यदि आप ऐसे एक भी व्यक्ति की सहायता करते हैं, तो उसके जीवन में एक बड़ा बदलाव होगा। छात्रों से उन्होंने कहा, आप अपने संस्थान का आदर्श बरकरार रखें। यह आपके कार्य में दिखना चाहिए। ऐसा होने से कई एंटरप्रेन्योर राज्य की ओर आकर्षित होंगे। छात्र खुद में लीडरशिप क्वालिटी विकसित करें। आपके करियर में नैतिकता का पुट हो। सरकार ने आपके लिए स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया लाया है। आप इससे जुड़कर देश को आगे ले जाएं।

माइनिंग में रिसर्च कर राज्य का करें विकास: आइआइएम रांची के बोर्ड ऑफ गवर्निंग के चेयरमैन प्रवीण शंकर पांड्या ने कहा कि झारखंड में माइंस की कमी नहीं है। छात्र माइनिंग में रिसर्च करें, ताकि इसका फायदा झारखंड को मिले। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया व कनाडा में माइनिंग को रेगुलेट करने के लिए जो सिस्टम बना है, वैसा ही यहां भी हो।

आइआइएम रांची के नौवें स्थापना दिवस समारोह में कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

गीत-संगीत व नृत्य पर धमाल

फाउंडेशन डे समारोह में छात्र-छात्राओं ने गीत-संगीत व नृत्य से सभी का मन मोह लिया। छात्रा समिता नंदी व बलरी भौमिक ने वो शाम कुछ अजीब थी... और तेरे मेरे सपने अब एक रंग हैं....की प्रस्तुति से सभी को गुनगुनाने के लिए मजबूर कर दिया। इसके बाद प्रोगी फीट ऑफ आइआइएम के ग्रुप ने रब्बा, रब्बा... से लेकर दिल डूबा, दिल डूबा और छम्मा, छम्मा पर खूब धमाल मचाया। सानिका ने रिमझिम भरे सावन में... को सुरीली आवाज में गाया। इस मौके पर श्रोताओं में गजब का उत्साह देखने को मिला।

उद्यमिता पर जोर

समारोह में वक्ताओं ने उद्यमिता विकास के लिए युवाओं को प्रेरित किया। जिससे केंद्र सरकार की योजनाओं को बल मिल सके और देश प्रगति की राह पर आगे बढ़ सके। इसके लिए सबसे मिलकर कोशिश करने की अपील की गई।

आइआइएम रांची के नौवें स्थापना दिवस समारोह में मंच पर उपस्थित राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू को बोर्ड ऑफ गवर्निंग के चेयरमैन प्रवीण शंकर पांड्या सम्मानित करते हुए • जागरण

आपने रांची को क्या दिया

आइआइएम रांची के निदेशक प्रो.शैलेंद्र सिंह ने छात्रों से कहा कि आप यह नहीं देखें आपके लिए रांची ने क्या किया, बल्कि यह देखें कि आपने रांची को अभी तक क्या दिया। समाज के लिए सोचें तो आपकी सफलता सार्थक होगी। आइआइएम रांची अपने स्थापना काल से जिम्मेदारी के साथ लगातार ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। इसमें सभी का सहयोग इसी तरह बना रहे।

ये हुए पुरस्कृत

समारोह में पीजीडीएम व एचआरएम सत्र 2016-18 के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। पीजीडीएम की गौतमी ममेनकी, कीर्तन शर्मा, रणविजय तथा एचआरएम में जितेंद्र मोदी, गौरव घोष, कार्तिक कृष्ण सामी शामिल हैं।

खेलगांव स्थित रामदयाल मुंडा कला भवन प्रेक्षागृह में आइआइएम के नौवें स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित विद्यार्थी।

छात्राओं ने नृत्य की प्रस्तुति से किया मंत्रमुग्ध • जागरण

Dainik Jagran, 16.12.2017, Pg. I